वस्त्र मंत्री साथ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री शरद यादव) : (क) और (ख) संशोधित खाद्य पदार्थों के उत्पादन की कुल लागत में पैकेजिंग सामग्री की लागत अलग-अलग उत्पादों के लिए अलग-अलग है। तथापि, भारतीय पैकेजिंग संस्थान के अनुसार, अधिकांश मामलों में पैकेजिंग सामग्रियों की लागत खुदरा बिक्री मूल्य के संबंध में 20 प्रतिशत से 35 प्रतिशत के बीच में है। संशोधित खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग की लागत कम करने के लिए पैकेजिंग सामग्री, पैकेजिंग मशीनरी में करों की कमी करने और प्रौद्योगिकी का उन्नयन करने जैसे विभिन्न उपाय समय-समय पर किये जा रहे हैं।

पंजाब में फसल-पद्धति पर पेप्सी परियोजना का प्रभाव

1012. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पेप्सी परियोजना से पंजाब के किसान खाद्यानों बजाय फलों की अधिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित होंगे ; यदि हां, तो क्या इससे पंजाब में फसल-पद्धति में परिवर्तन होने की संभावना है ;

(ख) क्या यह सच है कि इससे राज्य में खाद्यानों की उपलब्धता में पर्याप्त कमी होने की संभावना है और इसके फलस्वरूप आवश्यक खाद्य-पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि होने की संभावना है ; और

(ग) इस संबंध में उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री साथ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री शरद यादव): (क) से (ग) अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही हैं और जितनी भी उपलब्ध हो पायेगी सभा पटल पर रख दी जाएगी।

नार्वे को सामान का निर्यात

1013. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान नार्वे को निर्यात किए गए समान का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) उक्त निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरंगिल श्रीधरन) (क) नार्वे की निर्यात की जाने वाली प्रमुख मदें है : परिधान, वस्त्र आदि, चमड़ा और चमड़े से बनी वस्तुएं, यात्रा की वस्तुएं और उपकरण काफी, चाय और मसाले।

(ख) वर्ष 1985-86 से लेकर नार्वे को किए जाने वाले निर्यात के मूल्य निम्नानुसार हैं :—

(करोड़ रुपए में)

1985-86	16.35
1986-87	17.51
1987-88	22.50
1988-89	22.05
1989-90	52.65

(स्रोत : जी.डी.सी.आई.एण्ड एस., कलकत्ता)

Annual outlay for Rajasthan Canal

1014. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) what was the annual outlay for Rajasthan Canal Project during 1987, 1988 and 1989, year-wise and the outlay for the current year;